CHETANA
International Journal of Education (CIJE)
Peer Reviewed/Refereed Journal
ISSN : 2455-8279 (E)/2231-3613 (P)
Impact Factor
SJIF 2026-8.584

Prof. A.P. Sharma
Founder Editor, CIJE
(25.12.1932 - 09.01.2019)

रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं का प्रत्यक्षीकरणः एक अध्ययन (बून्दी जिले के संदर्भ में)

रेशमा खानम
शोधार्थी
डॉ. मीना सिरोला
प्रोफेसर
शिक्षा विभाग वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान
Email- reshmakhan151215@gmail.com, Mobile-9549212587

……

First draft received: 07.01.2026, Reviewed: 19.01.2026
Final proof received: 21.01.2026, Accepted: 25.01.2026

सारांश

प्रस्तुत शोध का उद्देश्य बून्दी जिले की ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं के मध्य रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करना है। वर्तमान समय में छात्राओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण अत्यंत महत्वपूर्ण विषय बन गया, बदलते सामाजिक परिवेश और बढ़ती चुनौतियों के मध्य छात्राओं को आत्मरक्षा संबंधी कौशल प्रदान करना अत्यंत आवश्यक हो गया है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु विद्यालयों में रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है, जिसका मुख्य लक्ष्य छात्राओं को आत्मनिर्भर, जागरूक, साहसी तथा परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम बनाना है। प्रस्तुत अध्ययन बून्दी जिले की 400 छात्राओं पर आधारित है। प्रदत्त डेटा संग्रह के लिए स्वनिर्मित प्रत्यक्षीकरण प्रश्नावली का उपयोग किया गया तथा प्रतिशत विधि द्वारा विश्लेषण किया गया। परिणामों से ज्ञात हुआ कि अधिकांश छात्राओं ने प्रशिक्षण को उपयोगी, आत्मविश्वास बढ़ाने वाला तथा सुरक्षा कौशल को मजबूत करने वाला बताया है, हालांकि संसाधनों की कमी और समयभाव जैसी समस्याएं भी सामने आईं। निष्कर्षतः यह प्रशिक्षण छात्राओं के व्यक्तित्व विकास एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने में अत्यंत सहायक सिद्व हो रहा है।

मुख्य शब्दः रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण, प्रत्यक्षीकरण, ग्रमीण एवं शहरी क्षेत्र, बून्दी जिला।

प्रस्तावना

वर्तमान सामाजिक परिदृश्य में बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना शिक्षा व्यवस्था की एक अत्यंत महत्वपूर्ण आवश्यकता बन गया है। बदलते सामाजिक परिवेश तथा महिलाओं के विरूद्व बढ़ती घटनाओं ने इस बात को और अधिक स्पष्ट कर दिया है कि बालिकाओं को केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नही, बल्कि आत्मरक्षा संबंधी व्यावहारिक कौशल भी प्रदान किए जाने चाहिए। इसी उद्देश्य से विद्यालयों और महाविद्यालयों में आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रमों को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण छात्राओं को केवल आत्मरक्षा की तकनीकों तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उनमें आत्मसम्मान, सतर्कता, साहस तथा त्वरित निर्णय क्षमता जैसे आवश्यक गुणों का विकास करता है, जिससे वे स्वयं को अधिक सुरक्षित, जागरूक और आत्मनिर्भर महसूस करती है।

राजस्थान राज्य में जिला स्तर एवं ब्लॉक स्तर पर इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे है। बून्दी जिले में रानी लक्ष्मीबाई गैर–आवासीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य छात्राओं को शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को पंच, किक, ब्लॉक, पकड़ से बचाव तथा कानूनी जानकारी जैसे विषय का अभ्यास कराया जा रहा हैं ताकि वे विपरित परिस्थितियों में स्वयं की रक्षा करने में सक्षम बन सकें। यह पहल समाज में बालिकाओं के प्रति बढ़ते अपराधों को रोकने और उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

उद्देश्य :

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के आधार पर रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति छात्राओं के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करना

शोध परिल्पनाएँ

प्रस्तुत शोध की परिल्पनाएँ अग्रांकित हैं–

- बून्दी जिले के गामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं का रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण में अंतर नहीं होता है।
- बून्दी ब्लॉक के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं का रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण में अंतर नहीं होता है।
- तालेड़ा ब्लॉक के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं का रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण में अंतर नहीं होता है।
- नैनवां ब्लॉक के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं का रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण में अंतर नहीं होता है।
- केशवरायपाटन ब्लॉक के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं का रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण में अंतर नहीं होता है।
- हिंडोली ब्लॉक के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं का रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण में अंतर नहीं होता है।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया।

प्रदत्तों की प्रकृति

प्रस्तुत शोध अध्ययन में प्रदत्तों की प्रकृति मात्रात्मक है।

अध्ययन के चर – प्रस्तुत अध्ययन के निम्नलिखित चर है।

1 स्वतंत्र चर –

- **ब्लॉक स्तर :–** बून्दी जिले मे विभिन्न ब्लॉक जैसे– तालेड़ा, हिंडोली, नैनवां, केशवरायपाटन एवं बून्दी ।
- **भौगोलिक क्षेत्र :–** ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यालय।

2 आश्रित चर –

रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति छात्राओं का प्रत्यक्षीकरण

प्रदत्तों का स्त्रोत – प्रस्तुत अध्ययन में प्राथमिक स्त्रोतों का प्रयोग किया गया। प्रस्तुत अध्ययन में प्राथमिक स्त्रोत के अंतर्गत राजस्थान राज्य के बून्दी जिल के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों की कक्षा 6–12 तक की छात्राओं को सम्मिलित किया गया है, जिन्होंने रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

जनसंख्या – प्रस्तुत में जनसंख्या के रूप में बून्दी जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में स्थित विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं को लिया गया।

शोध न्यादर्श–प्रस्तुत शोध अध्ययन में बून्दी जिले के पॉच ब्लॉक बून्दी, तालेड़ा, हिंड़ोली, नैनवां, केशवरायपाटन को न्यादर्श के रूप में का चयन किया गया। प्रत्येक ब्लॉक से ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में स्थित विद्यालयों का चयन किया गया। कुल 80 छात्राओं तथा संपूर्ण अध्ययन हेतु 400 छात्राओं का चयन हेतु किया गया। अध्ययन हेतु उन्हीं छात्राओं का चयन किया गया जिन्होंने रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

शोध उपकरण – प्रस्तुत अध्ययन में आंकड़ों के संकलन हेतु स्वनिर्मित प्रश्नावली का उपयोग किया गया। प्रश्नावली का निर्माण शोध के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए किया गया, ताकि रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं के प्रत्यक्षीकरण का आकलन किया जा सके। प्रश्नावली सरल एवं स्पष्ट भाषा में तैयार कि गई तथा इसकी विषय–वस्तु की वैधता सुनिश्चित करने के लिए विशेषज्ञों से परामर्श लिया गया। प्रत्येक कथन के लिए सहमत, तटस्थ एवं असहत विकल्प प्रदान किए गए, आंकड़ों का प्रतिशत विश्लेषण किया गया। इस प्रकार प्रश्नावली अध्ययन के लिए एक उपयुक्त एवं सुदृढ़ शोध उपकरण सिद्व हुई।

आंकड़ों का विश्लेषण –

परिकल्पना – 1 बून्दी जिले के गामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं का रानी लक्ष्मीबाई **आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण में अंतर नहीं होता है।**

क्षेत्रवार	कुल	सहमत	तटस्थ	असहमत
ग्रामीण	200	83.87	1.40	15.8
शहरी	200	83.85	1.25	14.90

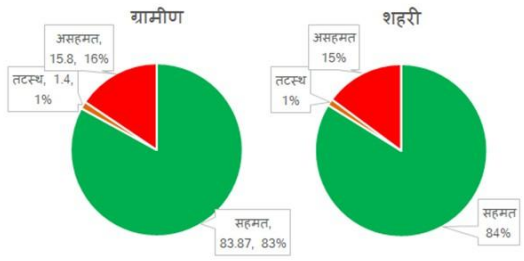

तालिका संख्या 1.0 बिन्दू जिले के क्षेत्रवार छात्राओं का रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण

उपरोक्त तालिका संख्या 1.0 में बून्दी जिले ब्लॉक में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं के आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण को प्रदर्शित किया गया है। तालिका से स्पष्ट होता है कि ग्रामीण क्षेत्र की 83.87 प्रतिशत छात्राओं ने सकारात्मक सहमति व्यक्त की, जबकि 1.40 प्रतिशत छात्राओं ने तटस्थता प्रतिक्रिया दी एवं 15.8 प्रतिशत छात्राओं ने असहमति व्यक्त की।

इसी प्रकार शहरी क्षेत्र की लगभग 83.85 प्रतिशत छात्राओं ने सहमति प्रकट की, 1.25 प्रतिशत तटस्थ रहीं तथा 14.90 प्रतिशत छात्राओं ने असहमति व्यक्त की।

दोनों क्षेत्रों के प्रतिशत की तुलना करने पर पाया गया कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की छात्राओं में आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण लगभग समान है।

निष्कर्ष – प्रतिशतों की तुलना से यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं में आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण में कोई अंतर नहीं है। दोनो क्षेत्र की छात्राओं ने आत्मरक्षा प्रशिक्षण को समान रूप में स्वीकार किया है। अतःपरिकल्पना बून्दी जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र छात्राओं का आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण में अंतर नहीं होता है को स्वीकृत की जाती है।

परिल्पना 2– बून्दी ब्लॉक के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं का रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण में अंतर नहीं होता है।

तालिका संख्या 2.0 बून्दी जिले में क्षेत्रवार छात्राओं की रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण

क्षेत्रवार	कुल	सहमत	तटस्थ	असहमत
ग्रामीण	40	87.28	0.30	12.42
शहरी	40	87.79	0.37	11.84

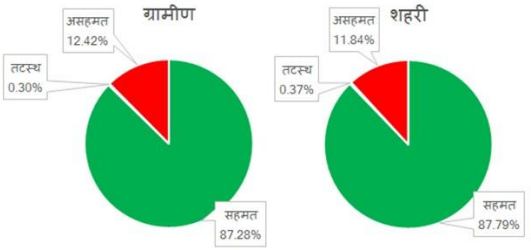

उपरोक्त तालिका संख्या 2.0 बून्दी ब्लॉक की ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं के आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण को प्रदर्शित किया गया है। तालिका से स्पष्ट होता है कि ग्रामीण क्षेत्र की 87.28 प्रतिशत छात्राओं ने सकारात्मक सहमति व्यक्त की, केवल 0.30 प्रतिशत छात्राओं ने तटस्थता की प्रतिक्रिया दी, जबकि 12.42 प्रतिशत छात्राओं ने असहमति व्यक्त की। इसी प्रकार शहरी क्षेत्र की छात्राओं में 87.79 प्रतिशत ने आत्मरक्षा प्रशिक्षण के पक्ष में सहमति प्रकट की, शहरी क्षेत्र की 0.37 प्रतिशत छात्राओं ने तटस्थता व्यक्त की, जबकि 11.84 प्रतिशत छात्राओं ने प्रशिक्षण के प्रति असहमति प्रकट की। इससे यह स्पष्ट होता है कि बून्दी ब्लॉक की ग्रामीण और शहरी क्षेत्र की छात्राओं के प्रत्यक्षीकरण में प्रतिशतों के आधार पर अंतर नही पाया गया है।

निष्कर्ष – ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं के आत्मरक्षा प्रशिक्षण में प्रतिशतों की तुलना से यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि दोनों क्षेत्रों की छात्राओं में आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण समान रूप से विद्यमान है। दोनो क्षेत्र की छात्राओं ने आत्मरक्षा प्रशिक्षण को समान रूप में स्वीकार किया है।

अतःपरिकल्पना 2.0 बून्दी ब्लॉक के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं का आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण में अंतर नहीं होता है को स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना 3 – तालेड़ा ब्लॉक के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं का रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण में अंतर नहीं होता है।

तालिका संख्या 3.0– बून्दी जिले के तालेड़ा ब्लॉक में क्षेत्रवार छात्राओं की रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण

क्षेत्रवार	कुल	सहमत	तटस्थ	असहमत
ग्रामीण	40	83.68	4.63	11.69
शहरी	40	81.54	5.59	12.87

उपरोक्त तालिका संख्या 3.0 तालेड़ा ब्लॉक की ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं के आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण को प्रदर्शित किया गया है। तालिका से स्पष्ट होता है कि ग्रामीण क्षेत्र की 83.68 प्रतिशत छात्राओं ने सकारात्मक सहमति व्यक्त की, केवल 4.63 प्रतिशत छात्राओं ने तटस्थता की प्रतिक्रिया दी, जबकि 11.69 प्रतिशत छात्राओं ने असहमति व्यक्त की। इसी प्रकार शहरी क्षेत्र की छात्राओं में 81.54 प्रतिशत ने आत्मरक्षा प्रशिक्षण के पक्ष में सहमति प्रकट की, शहरी क्षेत्र की 5.59 प्रतिशत छात्राओं ने तटस्थता व्यक्त की, जबकि 12.87 प्रतिशत छात्राओं ने प्रशिक्षण के प्रति असहमति प्रकट की। इससे यह स्पष्ट होता है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्र की छात्राओं के प्रत्यक्षीकरण में प्रतिशतों के आधार पर अंतर नही पाया गया है।

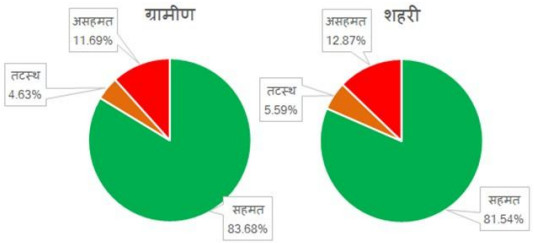

निष्कर्ष – ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं के आत्मरक्षा प्रशिक्षण में प्रतिशतों की तुलना से यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि दोनों क्षेत्रों की छात्राओं में आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण समान रूप से विद्यमान है। दोनो क्षेत्र की छात्राओं ने आत्मरक्षा प्रशिक्षण को समान रूप में स्वीकार किया है। अतःपरिकल्पना 3.0 ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के आधार पर छात्राओं का आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण में अंतर नहीं होता है को स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना 4 – नैनवां ब्लॉक के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं का रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण में अंतर नहीं होता है।

तालिका संख्या 4. – बून्दी जिले के नैनवां ब्लॉक में क्षेत्रवार छात्राओं की रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण

क्षेत्रवार	कुल	सहमत	तटस्थ	असहमत
ग्रामीण	40	90.00	0.29	9.71
शहरी	40	89.90	0.29	9.81

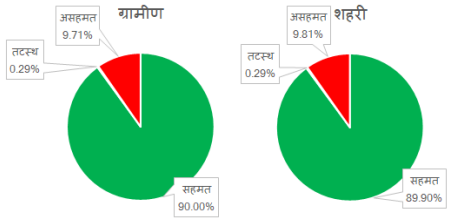

उपरोक्त तालिका संख्या 4.0 नैनवां ब्लॉक की ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं के आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण को प्रदर्शित किया गया है। तालिका से स्पष्ट होता है कि ग्रामीण क्षेत्र की 90.00 प्रतिशत छात्राओं ने सकारात्मक सहमति व्यक्त की, केवल 0.29 प्रतिशत छात्राओं ने तटस्थता की प्रतिक्रिया दी, जबकि 9.71 प्रतिशत छात्राओं ने असहमति व्यक्त की। इसी प्रकार शहरी क्षेत्र की छात्राओं में 89.90 प्रतिशत ने आत्मरक्षा प्रशिक्षण के पक्ष में सहमति प्रकट की, शहरी क्षेत्र की 0.29 प्रतिशत छात्राओं ने तटस्थता व्यक्त की, जबकि 9.81 प्रतिशत छात्राओं ने प्रशिक्षण के प्रति असहमति प्रकट की। इससे यह स्पष्ट होता है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्र की छात्राओं के प्रत्यक्षीकरण में प्रतिशतों के आधार पर अंतर नही पाया गया है।

निष्कर्ष – ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं के आत्मरक्षा प्रशिक्षण में प्रतिशतों की तुलना से यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि दोनों क्षेत्रों की छात्राओं में आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण समान रूप से विद्यमान है। दोनो क्षेत्र की छात्राओं ने आत्मरक्षा प्रशिक्षण को समान रूप में स्वीकार किया है। अतःपरिकल्पना 4.0 ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के आधार पर छात्राओं का आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण में अंतर नहीं होता है को स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना 5 – केशवरायपाटन ब्लॉक के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं का रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण में अंतर नहीं होता है।

तालिका संख्या – बून्दी जिले के केशवरायपाटन ब्लॉक में क्षेत्रवार छात्राओं की रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण

क्षेत्रवार	कुल	सहमत	तटस्थ	असहमत
ग्रामीण	40	80.66	0.00	19.34
शहरी	40	80.96	0.00	19.04

उपरोक्त तालिका संख्या 5.0 केशवरायपाटन ब्लॉक की ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं के आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण को प्रदर्शित किया गया है। तालिका से स्पष्ट होता है कि ग्रामीण क्षेत्र की 80.66 प्रतिशत छात्राओं ने सकारात्मक सहमति व्यक्त की, केवल शून्य प्रतिशत छात्राओं ने तटस्थता की प्रतिक्रिया दी, जबकि 19.34प्रतिशत छात्राओं ने असहमति व्यक्त की। इसी प्रकार शहरी क्षेत्र की छात्राओं में 80.96 प्रतिशत ने आत्मरक्षा प्रशिक्षण के पक्ष में सहमति प्रकट की, शहरी क्षेत्र की शून्यप्रतिशत छात्राओं ने तटस्थता व्यक्त की, जबकि 19.04 प्रतिशत छात्राओं ने प्रशिक्षण के प्रति असहमति प्रकट की। इससे यह स्पष्ट होता है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्र की छात्राओं के प्रत्यक्षीकरण में प्रतिशतों के आधार पर आंशिक रूप से अंतर पाया गया है।

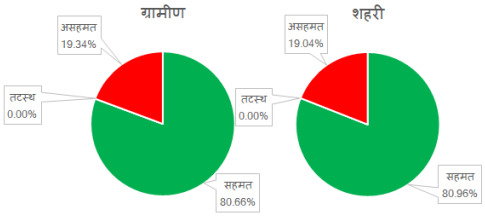

निष्कर्ष – ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं के आत्मरक्षा प्रशिक्षण में प्रतिशतों की तुलना से यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि दोनों क्षेत्रों की छात्राओं में आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण समान रूप से विद्यमान है। दोनो क्षेत्र की छात्राओं ने आत्मरक्षा प्रशिक्षण को समान रूप में स्वीकार किया है। अतःपरिकल्पना 5.0 ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के आधार पर छात्राओं का आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण में आंशिक रूप से अंतर पाया गया को स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना 6 – हिंडोली ब्लॉक के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं का रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण में अंतर नहीं होता है।

तालिका 6.0 – बून्दी जिले के हिंडोली ब्लॉक में क्षेत्रवार छात्राओं की रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण

क्षेत्रवार	कुल	सहमत	तटस्थ	असहमत
ग्रामीण	40	77.72	0.00	22.28
शहरी	40	79.12	0.00	20.88

उपरोक्त तालिका संख्या 6.0हिंडोली ब्लॉक की ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं के आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण को प्रदर्शित किया गया है। तालिका से स्पष्ट होता है कि ग्रामीण क्षेत्र की 77.72 प्रतिशत छात्राओं ने सकारात्मक सहमति व्यक्त की, केवल शून्य प्रतिशत छात्राओं ने तटस्थता की प्रतिक्रिया दी, जबकि 22.28प्रतिशत छात्राओं ने असहमति व्यक्त की। इसी प्रकार शहरी क्षेत्र की छात्राओं में 79.12प्रतिशत ने आत्मरक्षा प्रशिक्षण के पक्ष में सहमति प्रकट की, शहरी क्षेत्र की शून्य प्रतिशत छात्राओं ने तटस्थता व्यक्त की, जबकि 20.88 प्रतिशत छात्राओं ने प्रशिक्षण के प्रति असहमति प्रकट की। इससे यह स्पष्ट होता है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्र की छात्राओं के प्रत्यक्षीकरण में प्रतिशतों के आधार पर अंतर नही पाया गया है।

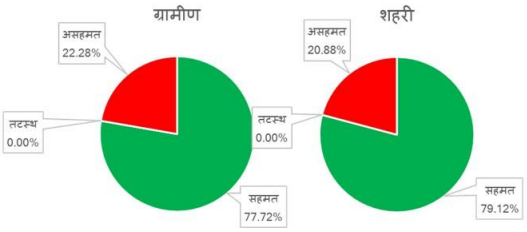

निष्कर्ष – ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं के आत्मरक्षा प्रशिक्षण में प्रतिशतों की तुलना से यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि दोनों क्षेत्रों की छात्राओं में आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण समान रूप से विद्यमान है। दोनो क्षेत्र की छात्राओं ने आत्मरक्षा प्रशिक्षण को समान रूप में स्वीकार किया है। अतःपरिकल्पना 6.0 ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के आधार पर छात्राओं का आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्यक्षीकरण में आशिक रूप से अंतर को स्वीकृत की जाती है।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति प्रत्ययीकरण चक्र

शैक्षिक निहितार्थ

निति –निर्देशक – राजस्थान में संचालित रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्राओं की सुरक्षा जागरूकता और आत्मनिर्भरता को बढ़ाने की एक महत्वपूण पहल है। इसलिए इस कार्यक्रम का विस्तार ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में किया जाना आवश्यक है,

ताकि सभी छात्राओं को समान अवसर मिल सकें।

छात्राओं की दृष्टि – अध्ययन से यह ज्ञात हुआ कि आत्मरक्षा प्रशिक्षण का छात्राओं पर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इससे उनमें आत्मविश्वास, सजगता, साहस एवं परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता विकसित हो रही है। ग्रामीण एवंशहरी क्षेत्र दोनों क्षेत्रों की छत्राएँ इस योजना में रूची ले रही हैं, जिनसे उनका शरीरिक एवं मानसिक विकास हो रहा है और वह शैक्षिक गतिविधियों में अधिक सक्रिय बन रही है।

प्रशिक्षणदाताओं की भूमिका – अध्ययन से स्पष्ट है कि प्रशिक्षणदाताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रभावी प्रशिक्षण से सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं, इसलिए प्रशिक्षण को सरल, व्यावहारिक और छात्राओं की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना चाहिए। प्रेरणादायक वातावरण, नियमित अभ्यास तथा समय–समय पर उन्नयन कार्यक्रम प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बना सकते हैं

भावी अनुसंधान की रूपरेखा – यह अध्ययन भविष्य के शोधकर्ताओं के लिए एक सुदृढ़ आधार प्रदान करता है। अन्य शोधकर्ता विभिन्न जिलों को शामिल कर कार्यक्रम की प्रभावशीलता का अधिक व्यापक और विश्वसनीय मूल्यांकन कर सकते हैं। साथ ही, आत्मविश्वास, जागरूकता एवं शैक्षिक प्रगति पर अनुसंधान करना शिक्षा क्षेत्र में नईअ नीतियों के निमार्ण एवं सुधार के लिए सहायक सिद्व होगा।

सुझाव

- विद्यालय स्तर पर रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए, ताकि प्रत्येक छात्रा अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक और सक्षम बन सके।
- केंद्रीय व नवौदय विद्यालयों में रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण को नियमित सह–शैक्षिक गतिविधि के रूप में लागू किया जाना चाहिए, ताकि छात्राओं की सुरक्षा क्षमता निरंतर विकसित हो सके।
- अभिभावकों को भी इस प्रशिक्षण के महत्व से अवगत कराया जाए, ताकि वे अपनी बालिकाओं को सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करें।

निष्कर्ष

अध्ययन से स्पष्ट होता है कि रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण छात्राओं के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों की छात्राओं ने इस प्रशिक्षण के प्रति सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण व्यक्त किया है। यह केवल सुरक्षा का माध्यम ही नहीं बल्कि आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और मानसिक सशक्तिकरण का आधार भी है। विद्यालय स्तर पर ऐसे कार्यक्रम छात्राओं को सामाजिक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करते हैं और सुरक्षित शैक्षिक वातावरण के निमार्ण में सहायक सिद्व होते हैं।

ग्रन्थ सूची

- टाईम्स नेटवर्क.(2025, 7 नवम्बर). राजस्थान में सभी लड़कियों के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षणः पीएम श्री स्कूलों में शुरू होंगी 625 कार्यक्रम
- राजस्थान पत्रिका.(2023, जुलाई 20). छात्राओं को दी गई आत्मरक्षा की शिक्षाः रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ, महिला सशक्तिकरण पर जोर
- दैनिक भास्कर.(2021). सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली बेटीयां सीखेगी आमरक्षा के गुर, इसके लिए 459 महिला शिक्षकों को प्रशिक्षण
- शर्मा,आर.(2020).महिला सशक्तिकरण और शिक्षा. दिल्लीः भारतीय प्रकाशन।
- आत्मरक्षा प्रशिक्षण मॉडयूल, (2020).राजस्थान शिक्षा परिषद शिक्षा संकुल जयपुर.पृष्ठ संख्या 9,70
- शुक्ला,सौरभ.(2024अक्टूबर,24).महिला सुरक्षा के लिए आत्मरक्षा का महत्व Retrivet form Importance of Self-Defense for Women's Safety - SK Vision
- सुबोध टाईम .(2020,जून–जूलाई). छात्राओं व महिला व्याख्याताओं ने सीखे आत्मरक्षा के गुर. पृष्ठ संख्या : 4, अंक : 03
- दैनिक नवज्योति.कापरेन,(2022दिसम्बर,17).सात दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण का शुभारंभ पृष्ठ संख्या : 13